हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार 1 जून 2026

11 गोशाला सड़क की हालत खस्ता दुकानदार...

12 'हर सांस अनमोल है, तम्बाकू से दूरी रखें' का...

दैनिक हरिभूमि के जागरूकता अभियान के अंतर्गत महेंद्रगढ़ बस स्टैंड परिसर में उमड़ा जनसैलाब

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर युवाओं ने लिया नशामुक्त समाज का संकल्प, हजारों लोगों ने हस्ताक्षर कर दिया तंबाकू से दूर रहने का संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय दैनिक हरिभूमि की ओर से महेंद्रगढ़ बस स्टैंड परिसर में आयोजित जन-जागरूकता कार्यक्रम ने समाज को एक सकारात्मक संदेश दिया। तंबाकू सेवन के खिलाफ चलाए गए इस अभियान में युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, शिक्षकों, व्यापारियों और आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान बस स्टैंड परिसर गहमा–गहमी रही और लोगों ने उत्साहपूर्वक इस कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'हस्ताक्षर अभियान' रहा, जिसमें हजारों लोगों ने हस्ताक्षर कर यह संकल्प लिया कि वे स्वयं तंबाकू का सेवन नहीं करेंगे और अपने परिवार, मित्रों तथा समाज को भी इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करेंगे। युवाओं ने बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाते हुए कहा कि आज की पीढ़ी को नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेल और राष्ट्र निर्माण की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

तंबाकू सेवन कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की गंभीर बीमारी का कारणः डॉ. पवित्रा

आरपीएस ग्रुप की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने हरिभूमि द्वारा आयोजित इस अभियान की सराहना करते हुए कहा कि तंबाकू केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज की आर्थिक एवं सामाजिक व्यवस्था को भी प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि यदि समाज को स्वस्थ और सशक्त बनाना है तो प्रत्येक नागरिक को तंबाकू और अन्य नशों के खिलाफ जागरूकता की मुहिम में भागीदारी निभानी होगी। डॉ. यादव ने कहा कि तंबाकू सेवन कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की गंभीर बीमारियों और अनेक जानलेवा रोगों का प्रमुख कारण है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे सकारात्मक सोच को अपनाएं और अपने जीवन को नशामुक्त बनाकर समाज के लिए प्रेरणा बनें। उन्होंने कहा कि मीडिया केवल समाचारों का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का सशक्त उपकरण भी है और हरिभूमि का यह प्रयास समाजहित में एक सराहनीय पहल है। विद्यार्थियों और युवाओं ने हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। 'तंबाकू छोड़ो, जीवन जोड़ो', 'नशामुक्त युवा, मजबूत भारत' और 'स्वस्थ जीवन ही सच्ची संपत्ति' जैसे नारों ने अभियान को और प्रभावशाली बना दिया। राहगीरों और यात्रियों ने भी अभियान में शामिल होकर तंबाकू मुक्त समाज बनाने का संकल्प लिया।

महेंद्रगढ़। हस्ताक्षर करती चेयरपर्सन डा. पवित्रा राव।

अखबार का उद्देश्य समाज में जागरूकता लाना भी

हरिभूमि राष्ट्रीय दैनिक के प्रतिनिधियों ने कहा कि समाचार पत्र का उद्देश्य केवल खबरें प्रकाशित करना नहीं, बल्कि समाज में जागरूकता और सकारात्मक परिवर्तन लाना भी है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने सामूहिक शपथ ली कि वे स्वयं तंबाकू से दूर रहेंगे और दूसरों को भी इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करेंगे। यह आयोजन समाज में स्वास्थ्य और जागरूकता का संदेश फैलाने में सफल रहा तथा लोगों ने इसे एक प्रेरणादायक पहल बताया।

यह रहे मौजूद

इस मौके नगर पालिका के चेयरमैन रमेश सैनी, आस्था इमेजिंग सेंटर के संचालक डा. महेश यादव, लक्ष्मी नारायण अस्पताल की संचालिका डा. अनु यादव, सावित्री देवी आई हॉस्पिटल के संचालक डा. राजबीर यादव, नवजीवन चाइल्ड हॉस्पिटल की संचालक डा. सोनू यादव, हरियाणा कला परिषद के पूर्व निदेशक अनिल कौशिक, डिफेंस एकेडमी के चेयरमैन प्रमोद यादव, व्यापार मंडल के प्रधान सुरेंद्र बंटी एडवोकेट, सदर एसएचओ रमेश कुमार, दैनिक हरिभूमि जिला विज्ञापन प्रबंधक सोहन भोल्यान, सहायक जिला प्रबंधक सतपाल शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार राजकुमार बड़कोदिया, विकास गोडवाल, दलीप दीक्षित कनीना एवं नीरज कुमार मंडी अटेली आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

बिजली बिल समाधान शिविर कल

नारनौल। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित समाधान हेतु मंगलवार को विशेष बिजली अदालत व बिजली बिल समाधान शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम बिजली बोर्ड के सर्कल कार्यालय सिंघाना रोड में 11 बजे से दोपहर एक बजे तक आयोजित किया जाएगा। अधीक्षक अभियंता जोगेंद्र हुड्डा ने बताया कि उपभोक्ता इस अवसर पर अपनी बिजली कनेक्शन से जुड़ी शिकायतें व बिल संबंधी समस्याएं सीधे अधिकारियों के समक्ष रख सकेंगे।

अवैध हेरोइन सहित तस्कर गिरफ्तार

महेंद्रगढ़। जिला पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए महेंद्रगढ़ में एक व्यक्ति को हेरोइन (चिट्टा) के साथ गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। महेंद्रगढ़ में गश्त के दौरान थाना शहर महेंद्रगढ़ की पुलिस टीम को एक गुप्त सूचना मिली थी कि ढाणी मोहल्ला निवासी धर्मेंद्र नामक व्यक्ति आजाद चौक के पास स्पाइसी टाउन के नजदीक हेरोइन बेचने का काम कर रहा है। इस सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तुरंत स्पाइसी टाउन के पास छापेमारी की। पुलिस को देखकर संदिग्ध व्यक्ति ने खिसकने का प्रयास किया, लेकिन टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए उसे काबू कर लिया। पूछताछ में पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम धर्मेंद्र निवासी ढाणी मोहल्ला महेंद्रगढ़ बताया। ड्यूटी मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में जब धर्मेंद्र की तलाशी ली गई, तो उसके पास से एक सिगरेट की डिब्बी बरामद हुई। इस डिब्बी की जांच करने पर उसके अंदर सिल्वर पेपर में रखा हुआ नशीला पदार्थ हेरोइन (चिट्टा) मिला।

आनलाइन आवेदन प्रक्रिया समाप्त, पारंपरिक संकायों में सीटें खाली रहने के आसार

कॉलेजों में आधी सीटों पर भी नहीं मिल रहे आवेदन

रोजगारपरक शिक्षा पर फोकस कर रहे युवा बीसीए व बीबीए की बढ़ी मांग, आर्ट्स, कॉमर्स व फिजिकल साइंस से छात्रों की दूरी

40 सीटों वाले इस कोर्स के लिए अब तक 160 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं, जो निर्धारित सीटों का करीब 400 प्रतिशत है

राजकुमार ⏭ नारनौल

उच्च शिक्षण संस्थानों में स्नातक कक्षाओं के लिए चल रही आनलाइन दाखिला प्रक्रिया रविवार को समाप्त हो चुकी है, लेकिन जिले के सरकारी कॉलेजों में अब भी बड़ी संख्या में सीटों पर आवेदन नहीं पहुंचे हैं। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया खत्म हो गई है, बावजूद इसके आर्ट्स, कॉमर्स और फिजिकल साइंस (बीएससी नॉन मेडिकल) जैसे पारंपरिक संकायों में आधी सीटों पर भी आवेदन नहीं मिल पाए हैं। हालांकि अभी उच्चतर शिक्षा विभाग की ओर से अंतिम तिथि बढ़ाने की संभावना जताई जा रही है।

नारनौल के राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय (ब्वॉयज कॉलेज) तथा महिला महाविद्यालय दोनों में कई पाठ्यक्रमों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। वहीं दूसरी ओर रोजगारपरक माने जाने वाले पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों की अच्छी रुचि देखने को मिल रही है।

कॉलेजों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार बीसीए (बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन) सबसे अधिक मांग वाला कोर्स बनकर उभरा है। 40 सीटों वाले इस कोर्स के लिए अब तक 160 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं, जो निर्धारित सीटों का करीब 400 प्रतिशत है। इसी प्रकार बीबीए (बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन) और लाइफ साइंस (बीएससी मेडिकल) में भी सीटों से अधिक आवेदन प्राप्त हो रहे हैं।

इसके विपरीत आर्ट्स, कॉमर्स तथा फिजिकल साइंस संकायों में छात्रों का रुझान लगातार घट रहा है। फिजिकल साइंस, जिसे पहले विज्ञान वर्ग के मेधावी छात्रों की पहली पसंद माना जाता था, अब उसमें भी पर्याप्त आवेदन नहीं पहुंच पा रहे हैं। महिला कॉलेज में यूजी आर्ट्स और कॉमर्स की स्थिति भी लगभग यही है, जहां निर्धारित सीटों की तुलना में 50 प्रतिशत या उससे कम आवेदन ही आए हैं। शिक्षाविदों का मानना है कि युवाओं का झुकाव अब केवल उन्हीं पाठ्यक्रमों की ओर बढ़ रहा है, जिनमें उन्हें सीधे रोजगार या करियर की संभावनाएं दिखाई देती हैं। पारंपरिक डिग्री पाठ्यक्रमों के प्रति रुचि लगातार कम हो रही है।

नारनौल। गर्ल्स कॉलेज में आवेदन जमा कराती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

राजकीय महाविद्यालय की स्थिति

कुल सीट	एप्लीकेशन	प्रतिशत
बैचलर ऑफ आर्ट 660	617	93
बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन 40	78	195
कॉमर्स 240	155	64
कंप्यूटर एप्लीकेशन 40	160	400
लाइफ साइंस 160	229	143
फिजिकल साइंस 400	353	88

महिला महाविद्यालय की स्थिति

बैचलर ऑफ आर्ट 800	474	59
कॉमर्स 160	84	52
लाइफ साइंस 120	173	144
फिजिकल साइंस 120	159	132

क्या बोले पूर्व प्राचार्य डा. रविंद्र राव

महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डा. रविंद्र राव का कहना है कि कॉलेजों में शिक्षा के प्रति घटती रुचि का प्रमुख कारण उसका पर्याप्त रूप से रोजगारपरक न होना है। उन्होंने कहा कि कई कॉलेजों में नियमित प्राध्यापकों की कमी है और कार्य चलाने के लिए विस्तार व्याख्याताओं (एक्सटेंशन लेक्चरर) पर निर्भरता बढ़ गई है। जबकि अनेक एक्सटेंशन लेक्चरर प्राइवेट यूनिवर्सिटी से फर्जी डिग्री वाले होते हैं। सरकारों की रेगुलर लेक्चरर से बेरूखी भी इसकी दोषी है। उनके अनुसार कॉलेजों में अनुभवी और नियमित शिक्षकों की कमी के कारण विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन नहीं मिल पाता। साथ ही पाठ्यक्रम भी अपेक्षाकृत कमजोर है, जिससे छात्रों को भविष्य की संभावनाएं कम दिखाई देती हैं। उन्होंने कहा कि निजी संस्थान विभिन्न प्रकार के आकर्षक प्रचार और व्यवस्थाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी ओर खींच रहे हैं, जबकि सरकारी स्तर पर इस समस्या के समाधान के लिए अपेक्षित प्रयास नहीं हो रहे।

प्राचार्य प्रो. राजवीर सिंह का पक्ष

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नारनौल के प्राचार्य प्रो. राजवीर सिंह का कहना है कि नई शिक्षा नीति में रोजगारपरक शिक्षा को विशेष महत्व दिया गया है। इसके बावजूद छात्रों और अभिभावकों में जागरूकता की कमी देखने को मिलती है। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में विद्यार्थी सरकारी नौकरियों की तैयारी के लिए कोचिंग संस्थानों की ओर रुख कर रहे हैं। कई छात्र कॉलेज में दाखिला तो ले लेते हैं, लेकिन नियमित रूप से कक्षाओं में नहीं आते। यदि विद्यार्थी नियमित रूप से कॉलेज आएं तो उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, मार्गदर्शन, पुस्तकालय और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से जुड़ी सुविधाओं का लाभ मिल सकता है। प्राचार्य के अनुसार कॉलेज प्रशासन विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण देने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन इसके लिए छात्रों की सक्रिय भागीदारी भी जरूरी है।

बदलती सोच का संकेत

विशेषज्ञों का मानना है कि दाखिला आंकड़े यह स्पष्ट संकेत दे रहे हैं कि युवाओं की प्राथमिकताएं तेजी से बदल रही हैं। अब विद्यार्थी केवल डिग्री प्राप्त करने के बजाय ऐसे पाठ्यक्रमों को चुन रहे हैं जो उन्हें तकनीकी दक्षता, व्यावसायिक कौशल और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध करा सकें। ऐसे में पारंपरिक संकायों को आकर्षक और रोजगारोन्मुख बनाने की चुनौती उच्च शिक्षा संस्थानों के सामने खड़ी है।

बीटेक के लिए प्रेरित करने के निर्देश

हाल ही में उच्च शिक्षा विभाग के महानिदेशक द्वारा प्रदेश के कॉलेजों को पत्र जारी कर बीएससी नॉन मेडिकल (फिजिकल साइंस) के विद्यार्थियों को बीटेक लैटरल एंट्री में दाखिला लेने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए गए थे। पत्र में कॉलेज प्राचार्यों से कहा गया था कि वे छात्रों को तकनीकी शिक्षा और रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के लाभों के बारे में जागरूक करें।

मंडी अटेली। बिहाली में फायर ब्रिगेड की सहायता से आग को बुझाते हुए।

बिहाली गांव में शॉर्ट सर्किट से लगी आग

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

क्षेत्र के गांव बिहाली में रविवार दोपहर करीब दो बजे शॉर्ट सर्किट के कारण अचानक आग लग गई, जिससे गांव में हड़कंप मच गया। आग गांव में बने एक छप्पर में लगी, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया।

घटना के समय आसपास मौजूद ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। साथ ही फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। ग्रामीणों ने बाल्टियों व पानी के अन्य साधनों की मदद से आग को फैलने से रोकने का प्रयास किया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पा लिया।

फायर कर्मियों और ग्रामीणों के संयुक्त प्रयास से आग को अन्य मकानों तक फैलने से रोक लिया गया। जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन छप्पर पूरी तरह जलकर राख हो गया। जिससे कुछ आर्थिक नुकसान हुआ है। घटना के बाद ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि गांवों में बिजली व्यवस्था की नियमित जांच करवाई जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं से बचा जा सके।

पुलिस ने लापता नाबालिग को परिजनों के सुपुर्द किया

नारनौल। थाना सदर पुलिस ने लापता हुए एक नाबालिग लड़के को गुरुग्राम से सकुशल बरामद कर लिया है। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद बच्चे को सुरक्षित उसके परिजनों को सौंप दिया है। शिकायतकर्ता ने 24 मई को दी शिकायत में बताया गया था कि उसका बेटा 15 मई से घर से लापता है। परिजनों ने अपने स्तर पर आस पड़ोस और सभी रिश्तेदारों में उसकी काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लग पाया था। इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने बिना देरी किए मामला दर्ज कर बच्चे की तलाश शुरू कर दी थी। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज और अपने सूचना तंत्र को सक्रिय किया। इस दौरान पुलिस टीम ने गुरुग्राम से बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया। बरामदगी के बाद पुलिस द्वारा आवश्यक कार्रवाई पूरी की गई और उसके बाद बच्चे को उसके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया गया।

स्मैक व गांजे सहित दो तस्कर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

पुलिस अधीक्षक दीपक के कुशल नेतृत्व और सख्त दिशा-निर्देशों की पालना में थाना शहर कनीना की पुलिस टीम को एक शानदार सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए दो नशा तस्करों को नशीले पदार्थों (स्मैक और गांजा पत्ती) के साथ गिरफ्तार किया है तथा तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक कार को भी जब्त कर लिया है।

- आरोपितों से 4.44 ग्राम स्मैक और 2 किलो गांजा बरामद, गाड़ी भी जब्त

प्रवक्ता ने बताया कि दिनांक 30 मई को थाना शहर कनीना की पुलिस टीम गश्त पर थी, तभी उन्हें एक गुप्त सूचना मिली कि विकास निवासी मालड़ा सराय और मनीष निवासी तलवाना अवैध रूप से नशीला पदार्थ बेचने का काम करते हैं। वे दोनों एक गाड़ी में नशीले पदार्थ के साथ रेवाड़ी की तरफ से मालड़ा सराय की ओर जा रहे हैं। इस पुख्ता सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने तुरंत शहर कनीना क्षेत्र में मेन रोड पर नाकाबंदी कर चेकिंग शुरू कर दी। कुछ समय पश्चात बताए गए नंबर की सफेद गाड़ी आती दिखाई दी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए गाड़ी को रुकवाया और उसमें सवार दोनों व्यक्तियों को काबू कर लिया। पूछताछ में उन्होंने अपनी पहचान मनीष कुमार (चालक) और विकास के रूप में बताई।

पुलिस ने मौके पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट को बुलाया, जिनकी मौजूदगी में दोनों व्यक्तियों और उनकी गाड़ी की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान विकास के पास से 30 पाउच अवैध स्मैक बरामद हुई, जिसका कुल वजन 4.44 ग्राम पाया गया। वहीं, गाड़ी की डिक्की की तलाशी लेने पर एक प्लास्टिक के कट्टे से भारी मात्रा में गांजा पत्ती बरामद हुई, जिसका कुल वजन 2 किलो 60 ग्राम था। पुलिस ने तुरंत प्रभाव से बरामद स्मैक, गांजा पत्ती और तस्करी में प्रयुक्त गाड़ी को कब्जे में लेकर सील कर दिया। इस मामले में दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना शहर कनीना में एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

महेंद्रगढ़। पुलिस की गिरफ्त में आरोपित। फोटो : हरिभूमि

छोटे व्यापारियों को बड़ी राहत, 1 लाख तक का बकाया अब पूरी तरह माफ

व्यापारियों के पुराने टैक्स बकाया से मुक्ति का सुनहरा मौका

पुराने टैक्स विवादों को खत्म करना और व्यापारियों को अदालती मुकदमों से मुक्त कर एक स्वच्छ कारोबारी माहौल देना मुख्य उद्देश्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा सरकार ने प्रदेश के व्यापारी वर्ग को बड़ी राहत देते हुए एक बार फिर एकमुश्त निपटान स्कीम 2026 का आगाज कर दिया है। यह योजना आगामी 120 दिनों तक रहेगी। यह जानकारी देते हुए डीईटीसी सेल टैक्स प्रियंका यादव ने बताया कि साल 2025 में इस योजना की अपार सफलता और 1.15 लाख से अधिक व्यापारियों द्वारा इसका लाभ उठाए जाने के बाद सरकार ने इसे दोबारा लागू करने का निर्णय लिया है।

जानिए कितना मिलेगा लाभ

इस योजना के तहत हरियाणा सामान्य बिक्री कर अधिनियम 1973 के मामलों में एक लाख तक 100 प्रतिशत और उससे अधिक पर 70 प्रतिशत टैक्स छूट के साथ पूरा ब्याज व जुर्माना माफ है। अन्य छह अधिनियमों के अंतर्गत भी स्लैब के अनुसार राहत दी गई है। जिसमें एक लाख तक 100 प्रतिशत, 10 लाख तक 60 प्रतिशत, एक करोड़ तक के बकाये पर 50 प्रतिशत टैक्स की छूट शामिल है। जैसे जैसे बकाया राशि बढ़ती है, छूट का प्रतिशत 30 प्रतिशत तक आता है, लेकिन सभी श्रेणियों में ब्याज और जुर्माने की शत प्रतिशत माफी व्यापारियों के लिए सबसे बड़ा सहारा बनकर उभरी है।

- हरियाणा सरकार ने शुरू की एकमुश्त निपटान स्कीम

उन्होंने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य पुराने टैक्स विवादों को खत्म करना और व्यापारियों को अदालती मुकदमों से मुक्त कर एक स्वच्छ कारोबारी माहौल देना है, ताकि भविष्य में पूरा ध्यान जीएसटी संग्रह पर केंद्रित किया जा सके। यह योजना एक जून 2026 से प्रभावी हो चुकी है और आगामी 120 दिनों तक यानी 28 सितंबर 2026 तक जारी रहेगी। प्रियंका यादव ने स्पष्ट किया कि इस बार सरकार ने छोटे व्यापारियों का विशेष ख्याल रखा है। यदि किसी व्यापारी पर किसी एक वर्ष में एक लाख रुपये तक का टैक्स बकाया है, तो उसे योजना के लिए आवेदन करने तक की आवश्यकता नहीं है, उनका कर, ब्याज और जुर्माना स्वतः ही माफ मान लिया जाएगा। यह स्कीम कुल सात अलग अलग कराधान अधिनियमों के तहत पुराने बकायों पर लागू होगी। विशेष रूप से 1973 के पुराने बिक्री कर अधिनियम के मामलों में, जहां बकाया बहुत पुराना है, एक लाख से अधिक की राशि पर 70 प्रतिशत तक की भारी छूट दी जा रही है। इसके अलावा जिन व्यापारियों के मामले सिर्फ इसलिए फंसे हुए थे, क्योंकि वे समय पर जरूरी वैधानिक फॉर्म जैसे फॉर्म सी, एफ या एच जमा नहीं कर पाए थे, उन्हें भी अब ये फॉर्म जमा कर अपने टैक्स की मांग कम करवाने का मौका दिया गया है, बशर्ते वे फर्जी फर्मों की श्रेणी में न आते हों। योजना की संवेदनशीलता को देखते हुए सरकार ने भुगतान की प्रक्रिया को भी बेहद लचीला बनाया है, जो व्यापारी अदालतों में लंबित अपने मुकदमों को वापस लेने को तैयार हैं, वे भी इस राहत का हिस्सा बन सकते हैं। बकाया राशि चुकाने के लिए किस्तों की सुविधा भी दी गई है, जहां पांच लाख से अधिक व 25 लाख तक की राशि को दो किस्तों में और 25 लाख से अधिक की राशि को तीन आसान किस्तों में चुकाया जा सकता है। एक बार आवेदन सही पाए जाने और स्वीकार होने के बाद संबंधित व्यापारी के खिलाफ उस मामले में भविष्य में कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी, जिससे उन्हें मानसिक व आर्थिक शांति मिल सकेगी।

जो शिक्षा हमें निर्बलों को सताने के लिए तैयार करे, जो हमें धरती और धन का ग़ुलाम बनाए, जो हमें भोग-विलास में डुबाए, जो हमें दूसरों का ख़ून पीकर मोटा होने का इच्छुक बनाए, वह शिक्षा नहीं भ्रष्टता है।
- मुंशी प्रेमचंद

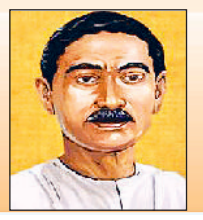

कहानी

पवन गहलोत

आंखों की जलन

एक पल के लिए उसने सोचा कि काश वह उसे बीड़ी पीने के लिए मना कर देता, क्योंकि जब से उसने वह धुआं झेला है, तब से उसे आंखों में लगातार जलन महसूस हो रही है।

स्कूल जाने वाले बच्चे जब उसकी तरफ देखते तो वह भी मुस्कुराते हुए उनकी ओर देखता। कभी-कभार कोई बच्चा जब उसकी ओर हाथ हिलाता तो वह भी हाथ हिलाते हुए आत्मिक संतुष्टि से भर जाता।

जनवरी महीने की ठिठुरती ठण्ड में सुबह पांच बजे ही वह शहर के चौराहे के पुल के नीचे खम्भे के पास अपने ठिकाने पर पहुंच गया। वहां पहुंचने के बाद जब वह अपने कंधे पर टंगा औजारों का थैला जमीन पर रखने के लिए झुका तो जमीन पर बहुत सारे बीड़ी के टुकड़ों और माचिस की जली हुई तीलियों को देखकर वह अचरज में पड़ गया। अपने कंधों को उचकाते हुए वह सोचने लगा कि ये इतने सारे बीड़ी के टुकड़े आखिर यहां पर आए कैसे। दिमाग पर काफी जोर डालने के बाद भी वह कुछ भी याद नहीं कर पा रहा था। बीड़ी के टुकड़ों और माचिस की जली हुई तीलियों के अलावा वहां पर प्लास्टिक की कुछ थैलियां भी इकट्ठा हो गई थी। ऐसा शायद पिछली रात आंधी आने के कारण हुआ होगा - वह अनुमान लगाने लगा।

अपने ठिकाने पर फैले उस ढेर सारे कूड़े को देखकर वह एक पल के लिए हौले से मुस्कुराया और धीमे-धीमे कदमों से सड़क के किनारे की ओर चल दिया। वहां पर एक दुकान के सामने नाली के ढक्कन की ओट में रखी एक टूटी-सी झाड़ू को उठाया और फिर से धीमे-धीमे कदमों से चलते हुए अपने ठिकाने पर वापस आ गया। असल में कुछ तिनकों का गुच्छा भर वह झाड़ू खुद कूड़े जैसी लग रही थी। लेकिन उसने उसे कई दिनों से कूड़ा साफ करने के लिए संभालकर रखा हुआ था। उस टूटी-सी झाड़ू से जमीन की सफाई करने में उसे लगभग पैंतीस-चालीस मिनट लग गए। भले ही देरी से हो, लेकिन लगातार जुटे रहने से काम आखिर हो ही जाता है। झाड़ू लगाने के बाद इकट्ठे हुए कचरे को उठाकर वह सड़क के दूसरे किनारे पर रखे कूड़ेदान में डाल आया। बुढ़ापे में कमजोर शरीर होने के कारण वह काफी थक गया था। क्योंकि उसकी दुकानदारी का समय शुरू होने वाला था इसलिए सफाई करने के बाद उसने सोचा कि अगर वह झाड़ू को वापस सड़क के किनारे दुकान के सामने नाली के ढक्कन की ओट में रखने जाएगा तो उसे काफी समय लग जाएगा। इसलिए उसने उस तिनकों वाली झाड़ू को वहीं खम्भे के पास ही रख दिया। उसका कुर्ता पसीने से लगभग पूरा भीग चुका था। अपने शरीर से चिपके पसीने से तर कुर्ते को उसने अपने सीने से थोड़ा ऊपर उठाया। जब उसमें से सुबह की ठण्डी-ठण्डी हवा गुजरी तो उसने थोड़ी राहत की सांस ली। इसके बाद अपनी मुड़ी हुई कमर पर दोनों हाथ रखकर उसे सीधा करने का प्रयास करने लगा। ऐसा करने से उसे थोड़ा-सा आराम मिलने का आभास हुआ। इसके बाद अपने थैले से उसने मोटे-से कपड़े का एक टुकड़ा निकाला और उसे वहीं खम्भे के साथ बिछा दिया।

इसके बाद अपने थैले से एक-एक करके औजारों और अन्य सामानों को निकाला और उन्हें वहीं पर ईंटों के बने हुए एक छोटे-से चबूतरे पर तरतीब के साथ खंभे से अपनी पीठ टिकाकर उस मोटे-से कपड़े के ऊपर बैठ गया। अपनी जूते मरम्मत एवं पॉलिश की दुकान सजाने के बाद उसने ऊपर आसमान की ओर देखना चाहा, लेकिन पुल होने की वजह से उसे आसमान नजर नहीं आया। वैसे तो वह एक व्यस्त चौराहा था, लेकिन अभी लोगों का आना-जाना शुरू नहीं हुआ था। वह बड़े शांत मन से ग्राहकों का इंतजार करने लगा। अपनी जगह पर बैठा वह सुबह-सुबह सड़क से गुजरने वाले लोगों को देख रहा था।

स्कूल जाने वाले बच्चे जब उसकी तरफ देखते तो वह भी मुस्कुराते हुए उनकी ओर देखता। कभी-कभार स्कूल की किसी बस में बैठा कोई बच्चा जब उसकी ओर हाथ हिलाता तो बदले में उसकी ओर हाथ हिलाते हुए वह आत्मिक संतुष्टि से भर जाता। कुछ ही देर में उसे अपनी आंखों में जलन-सी महसूस हुई। पिछले कुछ दिनों से उसकी आंखों में कुछ तकलीफ है। कब से और किस वजह से है, इस बारे में उसे कुछ भी नहीं पता था। वह बार-बार याद करने का प्रयास करता कि आखिर उसकी आंखों को हुआ क्या है, लेकिन काफी सोचने पर भी वह सही ढंग से कुछ भी याद नहीं कर पा रहा था। दिमाग पर ज्यादा जोर ना डालने की मंशा से उसने इस बारे में सोचना छोड़ दिया और फिर से ग्राहकों का इंतजार करने लगा। लेकिन मन भला शांत कैसे रह सकता है। हमेशा कुछ-न-कुछ सोचते रहना ही तो स्वभाव है मन का। विचारों की गलियों में घूमते हुए उसे कल वाले ग्राहक का ख्याल आया। कल उसके पास एक व्यक्ति अपने जूतों की मरम्मत करवाने के लिए आया था। वह बिल्कुल भी जल्दी में नहीं था। उसे याद आया कि जब उसने उससे पूछा कि जूते कितनी देर में वापस चाहिए, तब उसने कहा था कि काम सही होना चाहिए, समय चाहे कितना भी लग जाए। इसके बाद जब तक वह उसके जूतों की मरम्मत करता रहा, तब तक वह लगातार बीड़ी पीता रहा। उसके बिल्कुल पास बैठे होने तथा हवा का रुख उसी की ओर होने के कारण बीड़ी का धुआं सीधे उसके चेहरे की ओर आ रहा था। अब क्योंकि वह ग्राहक था इसलिए उसने उसे कुछ नहीं कहा और चुपचाप उस तेज धुएं को झेलता रहा। एक पल के लिए उसने सोचा कि काश वह उसे बीड़ी पीने के लिए मना कर देता, क्योंकि जब से उसने वह धुआं झेला है, तब से उसे आंखों में लगातार जलन महसूस हो रही है। इसके साथ ही उसे सब कुछ धुंधला-सा नजर आने लगा है। फिर अगले ही पल उसके मन में ख्याल आया कि - नहीं ऐसा सोचना गलत है, ग्राहक भगवान होता है। हमें उसकी किसी भी बात का बुरा नहीं मानना चाहिए। विचारों के आकाश में विचरण हुए उसे पता ही नहीं चला कि कब सूरज ने अपनी किरणें धरती की ओर उछाल दी। उसने सोचा कि अब तो दिन चढ़ने लगा है कोई न कोई ग्राहक तो अब तक आ ही जाना चाहिए था। सुबह-सुबह अच्छा काम मिलने की मंशा से वह अपने ठिकाने पर सुबह जल्दी पहुंच जाता था, लेकिन अक्सर दोपहर तक भी उसको कोई ग्राहक नहीं मिलता। असल में अधिकतर लोगों को उसकी उम्र देख कर ऐसा लगता था कि वह अपने काम को सही ढंग से नहीं कर पाएगा।

सुबह के दस बज चुके थे। ग्राहकों के इंतजार में, अब तक कोई भी ग्राहक क्यों नहीं आया है, क्या सभी कंपनियां अच्छी गुणवत्ता के जूते बनाने लगी हैं या फिर आजकल लोगों ने जूतों की मरम्मत करवाना ही छोड़ दिया है - इसी तरह के तमाम विचारों की उधेड़बुन उसके मन में चलती रही। कुछ देर बाद जब उसे थोड़ी प्यास लगी तो वह पानी पीने के लिए अपनी जगह से उठ खड़ा हुआ और कुछ ही दूरी पर सड़क के किनारे लगी टंकी के पास जा पहुंचा। अपनी प्यास बुझाने के बाद लौटते समय वह फिर से ख्यालों की दुनिया में खो गया। उसे याद आया कि लगभग दो हफ्ते पहले जब वह पानी पीकर लौट रहा था तो उसे वहां पर एक मक्की बेचने वाला उदास खड़ा दिखाई दिया। पूछने पर उसने बताया कि पुलिस वाले ने सड़क के किनारे खड़ा होने पर उस पर जुर्माना लगा दिया था। अब जगह बदलने पर उसकी दुकानदारी में घाटा होगा। इस पर उसने बड़े अधिकारपूर्वक उससे अपने ठिकाने के पास खड़ा होने के लिए कह दिया था। उसने उसे बताया कि जिस खंबे के पास वह अपना ठिकाना बनाए हुए है, उसके दूसरी ओर की जगह काफी अच्छी है। वहां पर वह आसानी से खड़ा हो सकता है और वहां उसे कोई परेशान भी नहीं करेगा।

उसकी बात मानकर वह मक्की बेचने वाला उसके पास आ गया और खंभे के दूसरी ओर उसने अपना ठिकाना बना लिया। वह पूरे दिन मक्की बेचता। ग्राहक उससे हमेशा गर्म मक्की की मांग करते। ग्राहकों की मांग पर वह अपनी छोटी-सी भट्ठी पर मक्की गर्म करने लगता। जब वह मक्की को भट्ठी पर गर्म करता तो भट्ठी से उठने वाला धुआं खंभे के दूसरी ओर उड़ने लगता। पानी पीने के बाद अपने ठिकाने पर लौटते समय उसने खंभे की दूसरी ओर देखा तो वहां पर वह मक्की बेचने वाला अभी तक भी नहीं पहुंचा था। वह अपने ठिकाने पर आकर बैठा ही था कि उसे अपनी आंखों में फिर से जलन महसूस हुई। अपनी आंखों को मलते हुए वह फिर से विचारों की दुनिया में खो गया।

उधर वह अपने विचारों में खोया हुआ था, इधर वह मक्की बेचने वाला अपने नए ठिकाने पर पहुंच चुका था। कुछ ही देर में उसे एक व्यक्ति उसी की ओर आता हुआ दिखाई दिया। उस व्यक्ति को उम्मीद भरी नजरों से निहारते हुए उसने जूते मरम्मत के औजारों को देखकर मन ही मन सोचा कि - चलो बोहनी तो हुई। अगर दिन भर में आठ-दस ग्राहक भी आ जाएं तो मेरा काम आसानी से चल जाए। सोचते हुए वह जूते मरम्मत के औजारों की ओर देखने लगा। लेकिन उसे सब बहुत आश्चर्य हुआ, जब वह आदमी उसकी ओर ना ठहरकर उस मक्की वाले के पास जाकर रुक गया। उसने उस मक्की वाले से एक ताजा भुनी हुई मक्की मांगी। उसने मक्की को छोटी-सी भट्ठी पर रखा और भट्ठी को सुलगाने लगा। भट्ठी से उड़ता हुआ धुआं खंभे के दूसरी ओर पहुंच रहा था।

खंभे के दूसरी ओर बैठा वह बुजुर्ग व्यक्ति अपनी आंखों को मलते हुए सोच रहा था - चलो कोई बात नहीं, मेरी न सही कम से कम साथ वाले की बोहनी तो हुई। धुएं के कारण उसकी आंखों की जलन बढ़ने लगी थी। अपनी आंखों को मलते हुए वह याद करने का प्रयास करते हुए मन ही मन बुदबुदा रहा था - 'समझ में नहीं आ रहा कि आंखों में यह कम्बख्त जलन आखिर कब से होने लगी है....'

पुस्तक समीक्षा

पठनीय है डिजिटल पेरेंट्स परफेक्ट नहीं, प्रेजेंट बनें

समीक्षक

सेंट्रल डेस्क

पुस्तक 'डिजिटल पेरेंट्स : परफेक्ट नहीं, प्रेजेंट बनें-के लेखक मूल रूप से एक शिक्षक हैं। शिक्षा के क्षेत्र में अपने गहरे अनुभव के आधार पर , वे आधुनिक पेरेंटिंग की चुनौतियों को करीब से समझते हैं। लेखक का उद्देश्य माता- पिता और बच्चों के उस टूटते हुए पुल को फिर से बनाना है, जिसे डिजिटल दुनिया ने कमजोर कर दिया है। यह पुस्तक 10 डिग्री की डिजिटल सुरंग से 180 डिग्री के खुले आसमान तक की पेरेंटिंग पर ध्यान आकर्षित करती है। ड्रीम बुक पब्लिशिंग द्वारा प्रकाशित यह पुस्तक आजकल के युवाओं की कृतिम एल्गोरिदम पर प्रकाश डालती है। लेखक के अनुसार पंद्रह सेकंड की रील्स ने युवाओं की एकाग्रता का अकाल ला दिया है। सोशल मीडियाके हजारों मित्रों के बीच भी हमारा बच्चा एक वास्तविक अकेलेपन से जूझ रहा है। इस पुस्तक को मुख्य रूप से तीन भागों में बांटा गया है। प्रथम- 10 डिग्री डिजिटल टनल, द्वितीय- 180 डिग्री ब्रांड विजन और तृतीय 10 डिग्री की डिजिटल सुरंग से 180 डिग्री ब्रांड विजन तक। यह किताब पेरेंटिंग की कोई रूरूलबुकर नहीं है, क्योंकि सच तो यह है किपरफेक्ट पेरेंट जैसी कोई चीज इस दुनिया में होती ही नहीं है ।

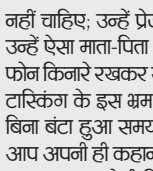

संदीप विद्यार्थी

लेखक

यह किताब एक जागृति है। यह इस बात की याद दिलाती है कि हमारे बच्चों को परफेक्ट माता-पिता नहीं चाहिए; उन्हें प्रेजेंट (उपस्थित) माता-पिता चाहिए। उन्हें ऐसा माता-पिता चाहिए जो डिनर टेबल पर अपना फोन किनारे रखकर उनकी आँखों में देख सके, जो मल्टी टास्किंग के इस भ्रम से बाहर निकलकर उन्हें अपना बिना बंटा हुआ समय दे सके। इस किताब के पन्नों में आप अपनी ही कहानी पाएंगे। यह पुस्तक आपको सोच पर मजबूर करेगी कि कहीं आपकी परवरिश आपके अपने 'डर' से परे नहीं है? यह आपको सिखाएगी कि कैसे बच्चों को छोटे-छोटे संघर्ष करने दें ताकि उनका असली आत्म-सम्मान विकसित हो सके। पुस्तक में लेखक ने वर्तमान में प्रचलित अंग्रेजी के आम बोलचाल वाले शब्दों का इस्तेमाल किया है। ऐसा शायद पाठकों की सुविधा के लिए ही किया गया है ताकि वर्तमान पीढ़ी हिन्दी के कठिन और बोझिल शब्दों के अर्थ के फेर में न पड़े और आसानी से लेखन के मर्म को समझ पाए। पुस्तक करीब 240 पृष्ठों में है। इसके बावजूद पाठकों को बांधे रखने में सक्षम जान पड़ती है। हर विषय अभिभावकों और न्यू जेनरेशन के लिए एक मार्गदर्शिका का काम करता है और उन्हें अपनी सोच में बदलाव लाने को प्रेरित करता है। कुल मिलाकर लेखक का यह प्रयास काफी सराहनीय बन पड़ा है।

कवि कॉर्नर

कविता

आनंद शर्मा

उसकी मोहब्बत

उसकी मोहब्बत
तेज बारिश-सी
और मैं...
शहरों की सड़कों-सा
डूबता ही रहा।

उसकी मोहब्बत
कुटिल राजनीति-सी
और मैं...
भोली जनता-सा लुटता ही रहा।

उसकी मोहब्बत
गंगा नदी-सी,
और मैं...
कूड़ा करकट समाता ही रहा।

उसकी मोहब्बत
प्रगति-सी
और मैं...
पेड़ों-सा कटता ही रहा।

उसकी मोहब्बत
महंगाई-सी
और मैं...
गरीब का बजट सिकुड़ता ही रहा।

उसकी मोहब्बत
आधुनिकता-सी,
और मैं...
संस्कारों-सा मरता ही रहा।

कविता

सपना

जो चाहा, वो मिला नहीं

जो चाहा वो मिला नहीं ।
जो मिला वो चाहा नहीं ।।

अजीब सी कश्मकश है ये जिंदगी ।
कुछ खोया भी नहीं और पाया भी नहीं ।।

ताउम्र गुजर गई समेटने में।
लेकिन जाएगा साथ कुछ भी नहीं ।।

न जाने कितनी उम्मीदें पालें हुए हैं सब ।
जबकि भरोसा अगले पल का भी नहीं ।।

जिस कल की सोच में आज डूबे हैं सब ।
उस कल मेंशायद हम हैंभी नहीं ।।

किस "मैं" के अहं में है इंसान ।
औक़ात जिसकी एक रत्ती बराबर भी नहीं ।।

गैस सिलेंडर अब नौकर नहीं, घर का दामाद

व्यंग्य

कृष्ण गोपाल विद्यार्थी

पुराने जमाने में सिलेंडर रसोई के एक अंधेरे कोने में चुपचाप पड़ा रहता था। उसकी हैसियत घर के उस पुराने नौकर जैसी थी, जो बिना शिकायत किए सालों-साल सेवा करता रहता है। उस वक्त गृहिणियां उस पर पैर रखकर ऊंचे डिब्बे उतारती थीं या कभी-कभी उस पर बेलन पटककर अपनी नाराजगी जाहिर कर दिया करती थीं। लेकिन वक्त बदला और वक्त के साथ सिलेंडर की 'किस्मत' ऐसी चमकी कि आज वह रसोई का 'अन्नदाता' कम और ड्राइंग रूम का 'दामाद' ज्यादा नजर आने लगा है। उसकी कीमत और इज्जत अब उस मुकाम पर पहुंच गई है जहां उसे 'रिफिल' कराते समय घर के बुजुर्ग वैसे ही भावुक हो जाते हैं, जैसे बिटिया की विदाई पर होते हैं।

विदाई की रस्म और स्वागत का उल्लास

जब सिलेंडर खाली होता है, तो घर के माहौल में एक अजीब सी 'अघोषित शोक सभा' छा जाती है। गृहिणी हिला-हिलाकर उसकी अंतिम सांसें चेक करती है और जब वह जवाब दे जाता है, तो घर का मुखिया उसे दरवाजे तक ऐसे छोड़ने जाता है, जैसे किसी प्रियजन को रेलवे स्टेशन पर विदा करने जा रहा हो। वहीं दूसरी ओर, जब नया 'भरा हुआ' सिलेंडर घर की दहलीज पर कदम रखता है, तो घर के बच्चों से लेकर बड़ों तक के चेहरे खिल जाते हैं। डिलीवरी वाले भैया का स्वागत किसी 'राजदूत' की तरह किया जाता है। उन्हें चाय-पानी के लिए ऐसे पूछा जाता है, मानो वह सिलेंडर नहीं बल्कि घर के लिए कोई बहुत बड़ा 'शुभ समाचार' लेकर आए हों। मोहल्ले वाले भी तिरछी नजरों से देखते हैं कि— 'वाह! इनके घर तो नया सिलेंडर आया है, जरूर कोई बड़ा हाथ मारा होगा।'

सुरक्षा के कड़े इंतजाम, 'तिजोरी' का मोह

आज के दौर में लोग सिलेंडर को किचन में नहीं, बल्कि उसे अपनी 'तिजोरी' या बेडरूम के पास रखते हैं। डर यह नहीं कि कोई उसे उठा ले जाएगा, डर यह है कि कहीं उसकी कीमती गैस 'लीक' होकर पड़ोसी की नाक तक न पहुंच जाए। पड़ोसी भी अब कम चालाक नहीं हैं। पहले वे खुशबू सूंघकर बताते थे कि— 'आज तो आपके घर शाही पनीर बना है।' लेकिन अब अगर गैस की हल्की सी गंध भी पड़ोस में चली जाए, तो घर का मालिक फौरन खिड़कियां बंद कर लेता है, कहीं पड़ोसी उस गंध के जरिए 'फ्री में' गैस का आनंद न ले ले। लोग अब सब्जी में तड़का लगाने से पहले घर के दरवाजे ऐसे बंद करते हैं, मानो कोई 'गोपनीय परमाणु परीक्षण' करने जा रहे हों। वह दिन अब दूर नहीं लगता जब शादियों में दहेज के रूप में 'फॉर्च्यूनर' या 'प्लॉट' की जगह '5 भरे हुए सिलेंडर' मांगे जाएंगे। मध्यम वर्ग के घरों में अब सिलेंडर ड्राइंग रूम के सोफे के बगल में सजाकर रखा जाने लगा है। मेहमान जब घर आते हैं, तो मेजबान गर्व से सिलेंडर की ओर इशारा करते हुए कहता है— 'देख रहे हैं? एकदम 'ब्रांड न्यू' और फुल रिफिल है! कल ही ब्लैक में... मेरा मतलब है, बड़ी सिफारिश के बाद मिला है।'

लोग अब सोने के गहनों की फोटो इंस्टाग्राम पर नहीं डालते, बल्कि भरे हुए सिलेंडर के साथ सेल्फी लेकर 'फीलिंग रिच' का स्टेटस लगाते हैं।

बजट में 'आग' लगाता मेहमान

निष्कर्ष यह है कि सिलेंडर अब सिर्फ रसोई की आग नहीं जलाता, बल्कि वह मध्यम वर्ग के मासिक बजट में भी 'आग' लगाता है। यह दुनिया का वह इकलौता मेहमान है जिसके घर आने पर 'खुशी' (खाना बनने की) और जेब खाली होने पर 'गम', दोनों एक साथ मिलते हैं। सिलेंडर की बढ़ती कीमत ने इसे एक ऐसी 'चल-अचल संपत्ति' बना दिया है, जिसे रिफिल कराना अब किसी निवेश से कम नहीं लगता।

आज का आम आदमी बस इसी दुआ में लगा रहता है कि- 'हे प्रभु! चाहे मेरी सेहत का मीटर धीमा चले, पर इस सिलेंडर की सुई जरा धीरे-धीरे नीचे गिरे।'

कुछ हटकर

बैचलर ऑफ डिजाइन इन इंटीरियर में बनाएं करियर

डॉ. मोहित बंसल

करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

बैचलर ऑफ डिजाइन इन इंटीरियर डिजाइन (बी.डिजाइन इंटीरियर डिजाइन) चार वर्षीय रचनात्मक एवं व्यावसायिक स्नातक पाठ्यक्रम है, जो विद्यार्थियों को आंतरिक स्थानों (**Interior Spaces**) की सौंदर्यात्मक, कार्यात्मक और तकनीकी डिजाइनिंग की गहन समझ प्रदान करता है। इसमें प्रायः स्पेस प्लानिंग, फर्नीचर डिजाइन, इंटीरियर मटेरियल्स, लाइटिंग डिजाइन, कलर थ्योरी, बिल्डिंग सर्विसेज, 3**D** विजुअलाइजेशन, ऑटो**CAD**, सस्टेनेबल डिजाइन, वास्तु तत्व, इंटीरियर स्टाइलिंग और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट जैसे विषयों का अध्ययन कराया जाता है।

उद्योगों में महत्व

इन विषयों का वास्तविक जीवन और उद्योगों में अत्यधिक महत्व है। आधुनिक घरों, कार्यालयों, होटल्स, मॉल्स, हॉस्पिटल्स में सौंदर्य, सुविधा और उपयोगिता का संतुलन इंटीरियर डिजाइनिंग के माध्यम से ही संभव होता है।

विशेषज्ञताएं

- रेजिडेंशियल इंटीरियर डिजाइन
- कमर्शियल एवं ऑफिस स्पेस डिजाइन
- फर्नीचर एवं प्रोडक्ट डिजाइन
- लाइटिंग डिजाइन
- एक्सहिबिशन एवं सेट डिजाइन
- हॉस्पिटैलिटी एवं होटल
- इंटीरियर डिजाइन
- सस्टेनेबल एवं ग्रीन इंटीरियर डिजाइन
- 3**D** विजुअलाइजेशन एवं रेंडरिंग
- रिटेल एवं शोरूम डिजाइन
- लैंडस्केप एवं स्पेस स्टाइलिंग
- लक्जरी इंटीरियर डिजाइन

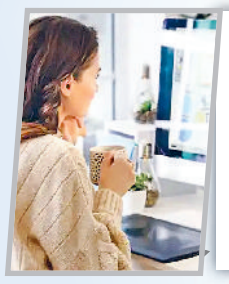

आवश्यक कौशल

सिर्फ डिग्री ही नहीं, बल्कि रचनात्मक दृष्टिकोण, तकनीकी डिजाइनिंग कौशल और व्यावहारिक अनुभव ही इंटीरियर डिजाइन उद्योग में सफलता का आधार बनते हैं। आज का इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजाइन उद्योग सौंदर्य, कार्यक्षमता और आधुनिक तकनीक के संतुलन पर आधारित है।

सरकारी क्षेत्र में विकल्प

- सार्वजनिक निर्माण एवं इंफ्रास्ट्रक्चर विभाग
- स्मार्ट सिटी एवं सरकारी भवन परियोजनाएँ
- सार्वजनिक भवन डिजाइन एवं स्पेस प्लानिंग सहयोगी

आय-सीमा (सरकारी क्षेत्र):

- फ्रेशर: लगभग ₹3.5–₹7.0 लाख वार्षिक (विभाग एवं पदानुसार)
- अनुभवी/वरिष्ठ: लगभग ₹8–₹18 लाख वार्षिक; विभिन्न सरकारी परियोजनाओं एवं परामर्श भूमिकाओं में अतिरिक्त अवसर उपलब्ध

निजी क्षेत्र में विकल्प

इंटीरियर डिजाइन एवं इंफ्रास्ट्रक्चर उद्योग आज तेजी से विकसित होने वाले क्षेत्रों में से एक है। रियल एस्टेट कंपनियाँ, आर्किटेक्चर फर्म्स, डिजाइन स्टूडियो, होटल उद्योग और लक्जरी ब्रांड्स ऐसे प्रोफेशनल्स की तलाश में रहते हैं जो रचनात्मकता और तकनीकी दक्षता के साथ आधुनिक स्पेस विकसित कर सकें।

उच्च अध्ययन के विकल्प

- मास्टर ऑफ डिजाइन – इंटीरियर एवं स्पेस डिजाइन
- एम.बी.ए. इन डिजाइन मैनेजमेंट
- फर्नीचर एवं प्रोडक्ट डिजाइन में विशेषज्ञता
- सस्टेनेबल एवं ग्रीन बिल्डिंग डिजाइन कार्यक्रम

अधिक जानकारी के लिए **Career Jaano** पर भी विजिट कर सकते हैं।

मोटिवेशनल

सफल दिखने की दौड़ में खुश रहना भूल गए लोग

डॉ. रोहित बंसल

मोटिवेशनल स्पीकर

आजकल हर इंसान चाहता है कि बाकी सभी उसे सफल, धनवान और परफेक्ट समझें। अपनी असल जिंदगी पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, वे अपनी 'ऑनलाइन इमेज' पर ज्यादा ध्यान देते हैं। कुछ लोग अपनी विदेश यात्रा या महंगी कार के बारे में बताते हैं तो दूसरे अपनी आलीशान जीवनशैली को दिखाते हैं। समाज का मानना हो गया है कि जितना अधिक आप दिखावा करेंगे, उतना अधिक आप सफल होंगे। हालांकि,सच्चाई इसके विपरीत है। बाहर से मुस्कुराते हुए चेहरे अंदर तनाव, मानसिक थकान और अकेलापन महसूस करते हैं। सफलता का पैमाना भी बदल गया है ,क्योंकि अधिक लोग इसे आर्थिक मापदंडों से देखने लगे हैं। लोग अपनी आवश्यकताओं को नजरअंदाज करते हैं और दूसरों को खुश करने के लिए जीते हैं। यही कारण है कि अधिक लोग अपने आप की तुलना दूसरों से करते हैं। लोग भूल जाते हैं कि सोशल मीडिया पूरी सच्चाई नहीं है। लोग खुशियों वाली बातें पोस्ट करते हैं। कोई भी उदास बातें नहीं पोस्ट करता। लदर्शक उस बनावटी 'खुशी' को महत्व देते हैं और दबाव महसूस करते हैं। इस मानसिक दबाव का सबसे ज्यादा बुरा असर युवाओं और बच्चों पर पड़ रहा है। वे सबसे बेहतर बनने की इच्छा रखते हैं। वे सोचते हैं कि यदि वे नया फोन खरीदते हैं या नाम ब्रांड कपड़े खरीदते हैं, तो उन्हें सफल माना जाएगा। जब लोग अपनी वास्तविक स्थिति को नियंत्रित नहीं कर पाते तो वो असुरक्षित हो जाते है। वे बनावटी खुशी दिखाते रहते हैं और खुद के साथ खुश रहने का तरीका भी भूल जाते हैं। वास्तव में खुशी और सफलता के बीच रिश्ता उतना सीधा नहीं, जितना समाज मान बैठा है। कई बार जिसे सफल माना जाता है, वह उदास हो सकता है और जो सरल जीवन जी रहा है, वह खुश हो सकता है। खुशियां वास्तव में समाज के विश्वास के विपरीत हैं। खुशियों का संबंध बाहरी दिखावे से नहीं हैं बल्कि मानसिक शांति और आत्म संतुष्टि से है। जो लोग दूसरों की राय की अत्यधिक चिंता करते हैं, वे हमेशा अपने मन की बात को सुनने में असमर्थ रहते हैं। सबसे अच्छी सफलता वह अवस्था है जिसमें खुशी और सफलता साथ रह सकते हैं।

लघु कथा

सन्तोष सबसे बड़ा धन!

सुनील मिनोचा

कहानीकार

कन्हैयालाल व उनकी पत्नी सरकारी नौकरी से सेवानिवृत्त होकर शहर में ही अपने मकान में रहने लगे। एक बच्चा बाहर सेटल हो चुका था। लड़कियां विवाह पश्चात सैटल थीं। यूं सुबह- शाम पत्नी के साथ पार्क में सैर कर, मन को शांत रखते थे। अपनी ढलती आयु में इक्का- दुक्का काम समीप की मार्केट में स्वयं पैदल ही कर लेते थे। एक बार ऐसे ही कन्हैयालाल पैदल मार्केट से आ रहे थे। पीछे से एक स्कूटर चला रही स्त्री , जिसके एक बच्चे ने पीछे अपना छोटा दो- पहिया साइकिल हाथ में पकड़ रखा था, वह सड़क किनारे चलते हुए उनसे टकरा गया। कन्हैयालाल नीचे गिर गये। फिर स्त्री थोड़ा-सा रुकी, बचाव समझ के जल्दी चलती बनी। उन्होंने फोन कर पड़ोस वालों को और पत्नी को बुलाया। उठने में दर्द कुछ देर बाद महसूस होने से किसी ने समीप एक्सरे करवाने की सलाह दी। इसमें पता चला कि कूल्हे की हड्डी में फ्रेक्चर हो गया है। बेटे को बताया तो विदेश बैठे बच्चे ने किसी बड़े मशहूर डॉक्टर के अस्पताल से ईलाज की सलाह दी। ऐसा ही हुआ। सात लाख के करीब बिल बना। कुछ सरकारी तो कुछ अपना लगा। जब उनसे पूछा गया कि जिसने टक्कर मारी, उससे कुछ नहीं कहोगे? उनका जवाब था-मैंने पता लगाने की जरूरत नहीं समझी। मेरे कर्म में यही लिखा था। कोई बुरा कर्म कट गया।

कहते हैं -जान बच्ची तो लाखों पाए। लोकल बरह रही बेटियों ने खूब सेवा की। बेटे को भी बाहर से पूछने आना पड़ा। चाहे कुछ भी हो, सन्तोष सबसे बड़ा धन है। ऐसे ही एक अन्य घटना याद आती है। जब एक अन्य सेक्टर में एक सेवानिवृत्त इंजीनियर सुबह अपनी लड़की के साथ सैर कर रहा था। एक काम करने वाली लड़की ने ध्यान कहीं ओर होने से, पीछे से साइकिल से टक्कर मार दी। उसका पता नोट किया। फिर अस्पताल में लाखों का बिल बना, जो सरकार से मिल जाना था। उस गरीब काम वाली लड़की की कुछ दिन बाद शादी भी थीं। तब उससे कम से कम एक लाख वसूल कर चैन पड़ा। सबके मन में पैसे के प्रति भावना एक जैसी नहीं होती ।

खबर संक्षेप

स्टेशन पर दैनिक रेलयात्री मंच ने लगाई छबील

नारनौल। नौतपा की भीषण गर्मी व लू के थपेड़ों के बीच दैनिक रेलयात्री जागरूक मंच ने रविवार को रेलवे स्टेशन परिसर में ठंडे पानी व शरबत की छबील लगाकर यात्रियों को बड़ी राहत दी। मंच के प्रधान अशोक कटारिया ने कहा कि नौतपा में जब धरती आग उगल रही है, ऐसे में प्यासे को पानी पिलाने से बड़ा कोई धर्म नहीं। उपप्रधान महेश बाखालिया ने बताया कि गर्मी में छबील जैसे आयोजन समय-समय पर करते रहने चाहिए। इस पुण्य कार्य में मनीष कोहली, प्रदीप कुमार, सतीश कुमार, महावीर सिंह, धर्मेंद्र सैनी, रमेश चंद, पवन आदि मौजूद थे।

सिसोठ निवासी सरती देवी का निधन

महेंद्रगढ़। गांव सिसोठ निवासी पूर्व पंच सुभाषचंद की धर्मपत्नी सरती देवी का शुक्रवार को हृदय गति रुकने से आकस्मिक निधन हो गया। वह 82 वर्ष की थी। उनका अंतिम संस्कार पैतृक गांव सिसोठ में किया गया। मुखाग्नि बड़े पुत्र ने दी। स्व. सरती देवी अपने पीछे पति सुभाषचंद, दो पुत्र, दो पुत्रवधू, तीन पुत्रियां, दो पोते और चार पोतियों सहित भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं। उनकी अंतिम यात्रा में पूर्व सरपंच प्रेमचंद, चेयरमैन सूरत सिंह आदि शामिल हुए।

दुकानदारों, राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी

गोशाला सड़क की हालत खस्ता दुकानदार और राहगीर परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। सड़क पर बने गहरे गड्ढे। *फोटो : हरिभूमि*

शहर की प्रमुख गोशाला सड़क इन दिनों बदहाल स्थिति में पहुंच चुकी है। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे बनने और ऊपरी परत उखड़ जाने से दिनभर धूल-मिट्टी उड़ रही है, जिससे आसपास के दुकानदारों, राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर पालिका द्वारा करीब ढाई साल पहले इस सड़क का निर्माण कराया गया था, लेकिन निर्माण की गुणवत्ता इतनी खराब रही कि सड़क अल्प समय में ही टूटने लगी। अब हालात यह हैं कि सड़क पर चलना भी मुश्किल हो गया है। बारिश के दिनों में स्थिति और खराब गोशाला सड़क शहर के व्यस्त मार्गों में गिनी जाती है। इस मार्ग से प्रतिदिन हजारों छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। सड़क की खराब स्थिति के कारण वाहनों को बार-बार झटके लगते हैं और कई बार दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। खासकर दोपहिया वाहन चालक सबसे ज्यादा परेशान हैं। कई जगह गहरे गड्ढे बनने से बाइक सवार असंतुलित होकर गिरने से बाल-बाल बच रहे हैं। बारिश के दिनों में स्थिति और अधिक खराब हो जाती है, क्योंकि गड्ढों में पानी भरने से उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता। घटिया सामग्री का उपयोग किया गया सड़क किनारे दुकान चलाने वाले व्यापारियों का कहना है कि दिनभर उड़ने वाली धूल से उनका व्यापार प्रभावित हो रहा है। दुकानदारों को बार-बार सफाई करनी पड़ती है और ग्राहकों को भी परेशानी होती है। धूल के कारण खाने-पीने की दुकानों पर विशेष दिक्कत बनी हुई है। व्यापारियों ने बताया कि कई बार नगर पालिका अधिकारियों को सड़क की स्थिति से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि सड़क निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग किया गया था। यही वजह है कि कुछ ही समय में सड़क उखड़ने लगी। लोगों ने सड़क निर्माण कार्य की जांच कराने और जिम्मेदार अधिकारियों एवं ठेकेदारों पर कार्रवाई की मांग की है। नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो आने वाले समय में हालात और गंभीर हो सकते हैं।

वाहन हो रहे खराब

वाहन चालकों ने भी प्रशासन से जल्द सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है। उनका कहना है कि खराब सड़क के कारण वाहनों में लगातार खराबी आ रही है और दुर्घटनाओं का खतरा बना हुआ है। वहीं, स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

यह बोले चेयरमैन

इस संबंध में नगर पालिका चेयरमैन रमेश सैनी का कहना है कि सड़क की स्थिति की जानकारी मिली है और जल्द ही निरीक्षण कर आवश्यक मरम्मत कार्य कराया जाएगा। हालांकि लोगों का कहना है कि केवल आश्वासन से काम नहीं चलेगा, प्रशासन को जल्द कार्रवाई करनी चाहिए ताकि आमजन को राहत मिल सके।

मंडी अटेली। पैदल मार्च निकालते ग्रामीण सफाई कर्मचारी। *फोटो : हरिभूमि*

ग्रामीण सफाई कर्मियों ने प्रदर्शन कर स्वास्थ्य मंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन हरियाणा मुख्यालय महेंद्रगढ़ के बैनर तले रविवार को अनाज मंडी अटेली में कर्मचारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता यूनियन के जिला कोषाध्यक्ष कृष्ण कुमार ने की। जिसमें बड़ी संख्या में सफाई कर्मचारी शामिल हुए। बैठक को संबोधित करते हुए यूनियन के प्रधान जुगेश कुमार ने कहा कि वर्ष 2007 में सरकार द्वारा सभी नियमों का पालन करते हुए ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति की गई थी, ताकि गांवों को भी शहरों की तरह स्वच्छ रखा जा सके, लेकिन आज तक कर्मचारियों को उनके जनवादी अधिकार नहीं मिले हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में सरकार ने सफाई कर्मचारियों को सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने का वादा किया था, लेकिन तीसरे कार्यकाल में भी यह वादा अधूरा है।

प्रमुख मांगें

स्थायी सरकारी कर्मचारी घोषित किया जाए, तब तक यह संभव नहीं होता 30 हजार न्यूनतम मासिक वेतन सुनिश्चित किया जाए। इसके अलावा आधुनिक सफाई उपकरण, वार्षिक भत्ता, ड्रेस भत्ता, महिला कर्मचारियों के लिए मातृत्व अवकाश और पुरुषों के लिए चाइल्ड केयर लीव की सुविधा देने की भी मांग की गई। साथ ही प्रति 250 की आबादी पर एक सफाई कर्मचारी की नियुक्ति, ड्यूटी के दौरान मृत्यु पर 50 लाख मुआवजा व आश्रित को सरकारी नौकरी, नसीबपुर स्थित ईएसआई अस्पताल का विस्तार, ग्राम पंचायतों में ई रिक्शा की व्यवस्था तथा श्रम कानूनों में किए गए बदलावों को वापस लेने की मांग भी प्रमुख रूप से उठाई गई। इस मौके पर अशोक कुमार, मनोज कुमार, ओमप्रकाश, महेंद्र सिंह, सतबीर, सुरेश, मंजू देवी, नाथूराम आदि कर्मचारी मौजूद रहे।

नांगल का पारस भारतीय नौसेना में बना सब लेफ्टिनेंट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

गांव नांगल मोहनपुर निवासी पारस शर्मा ने भारतीय नौसेना में श्सब लेफ्टिनेंट का रैंक प्राप्त कर अपने क्षेत्र का नाम देशभर में रोशन किया है। पारस ने यह प्रतिष्ठित उपलब्धि 28 मई को इंडियन नेवी अकादमी केरल में आयोजित नेवल कैडेट्स की पासिंग आउट परेड के दौरान हासिल की।

इस भव्य समारोह में पारस के माता व पिता को स्वयं अपने बेटे के कंधों पर ऑफिसर स्ट्रैप लगाने का सौभाग्य मिला। बता दें की पारस शर्मा अपने परिवार के पांचवें डिफेंस कमीशन ऑफिसर बने हैं। उनके पिता रामबिलाश शर्मा भारतीय नौसेना में कमांडर के पद पर तैनात हैं, जबकि माता मधु शर्मा एक गृहणी हैं। पारस ने अपनी 12वीं तक की पढ़ाई अपने पिता के साथ रहते हुए पूरी की और फिर बीटेक करने के बाद पारिवारिक परंपरा को आगे बढ़ाते हुए नौसेना में कमीशन हासिल किया। उनके ताऊ ओमप्रकाश शर्मा नौसेना से ऑनरेरी सब लेफ्टिनेंट के पद से रिटायर्ड हैं। उनके चचेरे भाई गौरव शर्मा व चचेरी बहन गरिमा शर्मा दोनों वर्तमान में भारतीय सेना में मेजर के रैंक पर कार्यरत हैं। पारस की इस कामयाबी पर डॉ. सुरेश कुमार शर्मा, नवीन शर्मा, नरेश कुमार, कैलाश शर्मा, डॉ. राकेश शर्मा, किशन शर्मा ने खुशी व्यक्त की है।

कनीना। कंधे पर ऑफिसर स्ट्रैप लगाते परिजन। *फोटो : हरिभूमि*

कांग्रेसी नेता ने की अभिषेक बैनर्जी पर हुए हमले की निंदा

नारनौल। जिला कांग्रेस संगठन के महासचिव मनजीत कुमार मांदी ने अभिषेक बैनर्जी पर हुए हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि यह लोकतांत्रिक मूल्यों पर गंभीर आघात है। उन्होंने कहा कि भले ही कांग्रेस और टीएमसी पार्टी की राजनीतिक विचारधाराएं अलग-अलग हों तथा टीएमसी का अपना राजनीतिक इतिहास रहा हो, लेकिन किसी भी जनप्रतिनिधि पर इस प्रकार का हमला लोकतंत्र के लिए चिंताजनक है। जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार व कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी है। मनजीत कुमार मांदी ने कहा कि राज्य में सरकार के गठन के कुछ ही समय बाद लगातार सामने आ रही हिंसक घटनाएं कानून-व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसी घटनाएं आम नागरिकों के मन में असुरक्षा की भावना पैदा करती हैं और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास को कमजोर करती हैं। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों के नेताओं और जनप्रतिनिधियों पर होने वाले हमलों की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच होनी चाहिए। साथ ही दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए, ताकि लोकतांत्रिक व्यवस्था और कानून के शासन पर जनता का विश्वास बना रहे। मनजीत कुमार ने मांग की कि इस प्रकार के गंभीर मामलों में संबंधित संवैधानिक एवं न्यायिक संस्थाएं आवश्यकतानुसार संज्ञान लें तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि देश में लोकतांत्रिक अधिकारों, राजनीतिक असहमति और जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा का पूर्ण सम्मान हो।

यदुवंशी में हुई अध्यापक अभिभावक बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सतनाली मंडी

यदुवंशी शिक्षा निकेतन सतनाली में रविवार को अध्यापक अभिभावक बैठक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों के माता, पिता को आमंत्रित किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य बच्चों की शिक्षा, सर्वांगीण विकास, शिक्षकों व अभिभावकों के बीच बेहतर सामंजस्य बनाना था।

कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के प्रधानाचार्य जितेंद्र कुमार ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर की। प्रधानाचार्य ने बच्चों के जीवन और उनकी शिक्षा में माता, पिता की सक्रिय भूमिका के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने बताया कि आजकल के इस दौर में बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए घर और स्कूल के बीच सही सामंजस्य होना बेहद जरूरी है। मुख्य अतिथि यदुवंशी ग्रुप चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने कार्यक्रम में पहुंचे सभी अभिभावकों का धन्यवाद किया और कहा कि बच्चे अपने मन की भावना या पढ़ाई से जुड़ी समस्याएं जब अपने माता, पिता और शिक्षकों से खुलकर साझा करते हैं, तो उनका समाधान तुरंत होता है।

अभिभावकों और शिक्षकों का मार्गदर्शन ही बच्चों को जीवन के वास्तविक मूल्यों और सफलता की राह दिखाता है। कार्यक्रम के दौरान अभिभावकों ने शिक्षकों के साथ बच्चों की प्रगति रिपोर्ट साझा की और अपने सुझाव भी दिए। प्रधानाचार्य जितेन्द्र कुमार ने इस कार्यक्रम की सफलता के लिए स्कूल स्टाफ व अभिभावकों को धन्यवाद किया।

सतनाली मंडी। बैठक में भाग लेने आए अभिभावक। *फोटो : हरिभूमि*

अच्छे चरित्र का निर्माण कर अपनी संस्कृति को बचाना होगा: कप्तान

नारनौल। डीएवी स्कूल में आयोजित किए जा रहे सात दिवसीय एनएसएस शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में करण सिंह पुत्र रमेश ने शिरकत की तथा विशिष्ट अतिथि की भूमिका कप्तान हंसराज जिला आरएसएस संघ चालक ने निभाई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि करण सिंह, जिसने हाल ही में यूपीएससी क्लियर करके एक अच्छा रैंक हासिल किया है, जिसको स्वयंसेवकों के मार्गदर्शन के लिए आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर करण सिंह ने कहा कि चाहे हम कुछ भी बन जाए, लेकिन एक अच्छा इंसान बनना बहुत जरूरी है। उन्होंने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि अपने लक्ष्य का निर्धारण कर लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कठिन मेहनत, लगन और निष्ठा से कार्य करें। कप्तान हंसराज ने कहा कि युवाओं को जागृत होने की आवश्यकता है, हमें पाश्चात्य संस्कृति से दूर रहकर अपनी सभ्यता व संस्कृति को नहीं छोड़ना युवाओं को नैतिक मूल्यों का ध्यान रखकर महान पुरुषों के जीवन से शिक्षा लेकर आगे बढ़ना होगा। मंच संचालन करते हुए पवन कुमार ने कहा कि देश का भविष्य युवाओं के कंधों पर टिका है, स्वयंसेवकों को अपने राष्ट्रहित में कार्य करना चाहिए। स्वयंसेवक फलक व किस्मत आदि ने एनएसएस गीत पर नृत्य प्रस्तुत किया। मौके पर कार्यक्रम अधिकारी कप्तान सिंह, विनोद कुमार, राजेंद्र, पवन कुमार, अनीता, धनराज, पंकज, बतरा, पूजा, अनीता, गुड़िया आदि उपस्थित रहे।

हरियाणा राज्य समाज कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष बनने पर कप्तान योगेश बैरागी का सम्मान

- समाज के लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

स्वामी समाज जिला महेंद्रगढ़ की ओर से जन जन के प्रिय एवं कर्मठ समाजसेवी कप्तान योगेश बैरागी के हरियाणा राज्य समाज कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष नियुक्त होने पर लड्डू बांटकर खुशी मनाई गई। इस अवसर पर समाज के लोगों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दी। समाज के बुद्धिजीवियों ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार सभी वर्गों के कल्याण एवं जनहित के कार्यों के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार पिछड़ा वर्ग एवं समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। कप्तान योगेश बैरागी को इतना महत्वपूर्ण दायित्व देकर सरकार ने स्वामी बैरागी समाज को बड़ा सम्मान प्रदान किया है, जिसके लिए पूरा समाज तहेदिल से सरकार का आभारी है।

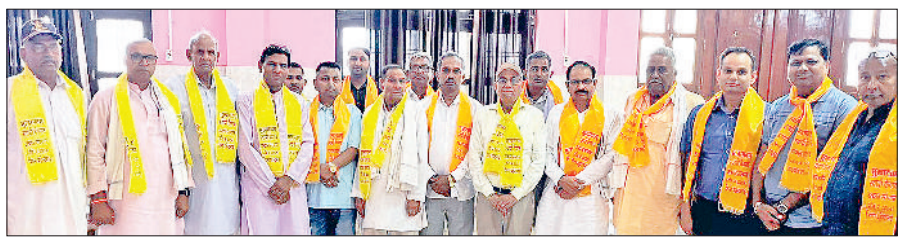

नारनौल। स्वामी समाज के लोग। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर स्वामी समाज जिला प्रधान कप्तान सुरेश, वरिष्ठ अधिवक्ता सत्यनारायण स्वामी, विक्रम जालपोड़ा, प्राचार्य ललित गहली, जितेंद्र गुजरवास, रामोतार उप प्रधान, रमेश सरपंच निवाजनगर, राकेश शर्मा ब्लॉक प्रधान सतनाली, रामपाल ब्लॉक प्रधान कनीना, राधेश्याम शास्त्री, धर्मवीर समाजसेवक, कुलदीप पालड़ी, राजकुमार नारनौल, मुख्याध्यापक रमेश, रोहतास, प्रदीप नारनौल, रामोतार बाघोत, रामसिंह नांगलकाठा, बनवारी नारनौल, वीरेंद्र पटीकरा, डॉ. गुलाब ब्लॉक प्रधान अटेली, दिनेश मैनेजर अटेली, बुधराम ब्लॉक प्रधान नांगल चौधरी, रामसिंह, सतवीर, कमल, बजरंग, महेश, बालाजी योगी, महादेव, सतपाल, मामनचंद, प्रवीन आदि उपस्थित रहे।

हर घर योग से आमजन रहेगा निरोग: सिंह

नारनौल। राजकीय महाविद्यालय के एनसीसी, एनएसएस व रेडक्रॉस प्रकोष्ठ के सौजन्य से उपायुक्त अनुपमा अंजली व जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी प्रो. राजवीर सिंह के दिशानिर्देशों योग जागरूकता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस योग पखवाड़े के तहत रविवार को योग जागरूकता व नशा के खिलाफ जनजागरण रैली निकाली गई। महाविद्यालय परिवार के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने योगा प्रोटोकॉल के तहत योगासन किया। महाविद्यालय प्राचार्य एवं जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी प्रो. राजवीर सिंह ने हर घर योग से आमजन निरोग रहेगा। इसलिए जीवन में योग महत्व देना चाहिए। डॉ. हवा सिंह ने बताया कि योग हमारे जीवन का मूल अंग है और दर्शन है। रेडक्रॉस प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी डॉ चंद्रमोहन ने बताया कि महाविद्यालय में योग प्रोटोकॉल पखवाड़े के तहत विद्यार्थियों व स्टाफ सदस्यों ने योग अभ्यास, साइकिल रैली, विस्तार व्याख्यान, योग जागरूकता व नशा के खिलाफ जनजागरण रैली, पोस्टर मेकिंग व स्लोगन मेकिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। प्रो. डॉ सतीश सैनी ने बताया कि आज देश व दुनिया में नई नई बीमारियां फैल रही हैं। महाविद्यालय कुलसचिव डॉ. सत्य पाल सुलोदिया ने बताया हमेशा प्रशासन व सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर नशे जैसी बुराई के खिलाफ आवाज बुलंद करनी चाहिए।

सात दिवसीय आर्या वीरांगना चरित्र निर्माण व आत्मरक्षा शिविर का शुभारंभ

राष्ट्र निर्माण का सशक्त आंदोलन रहा आर्य समाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

सरस्वती पब्लिक स्कूल भोजावास में सात दिवसीय आर्या वीरांगना चरित्र निर्माण एवं आत्मरक्षा शिविर का शुभारंभ विद्यालय के चेयरमैन दयाराम यादव व श्रीकृष्णा स्कूल भुंगारका के प्राचार्य वेदपाल यादव ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार और हवन यज्ञ से हुई। जिसमें उपस्थित विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों ने आहुति डालकर समाज व राष्ट्र की उन्नति की कामना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता में संगठन के जिला प्रधान धर्मबीर आर्य ने की। जिसमें जिला प्रभारी वंदना यादव मुख्य रूप से मौजूद रही। उन्होंने कहा कि आर्य समाज केवल धार्मिक संगठन नहीं, बल्कि सामाजिक जागरण और राष्ट्र निर्माण का एक सशक्त आंदोलन रहा है। इस समाज ने शिक्षा के प्रसार, सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन, महिला शिक्षा और समाज सुधार के क्षेत्र में सक्रिय योगदान दिया है। देश की स्वतंत्रता के आंदोलन में भी आर्य समाज की भूमिका अत्यंत सहरानीय रही। आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानंद सरस्वती के विचारों से प्रेरित होकर अनेक स्वतंत्रता सेनानियों ने देशभक्ति की भावना को मजबूत किया। आर्य समाज से जुड़े नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध जनजागरण अभियान चलाकर स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा देने का कार्य किया। स्वच्छ वातावरण और स्वस्थ समाज के निर्माण में प्रत्येक नागरिक का योगदान होना अनिवार्य है। युवाओं को पर्यावरण संरक्षणए स्वच्छता और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक होना चाहिए।

नांगल चौधरी। हवन में आहुति डालकर नशाखोरी पर अंकुश लगाने की शपथ दिलाता आर्य समाज।

समाजहित के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान

उन्होंने विद्यार्थियों से अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने तथा समाजहित के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। शिविर में आगामी सात दिनों तक विद्यार्थियों को आत्मरक्षा के गुर, वैदिक संस्कृति, नैतिक शिक्षा, योग, व्यक्तित्व विकास तथा राष्ट्र सेवा के संस्कारों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। विद्यालय प्रबंधन ने विश्वास व्यक्त किया कि यह शिविर युवाओं में आत्मविश्वास, देशप्रेम और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे पहले हवन का आयोजन किया।

यदुवंशी में बच्चों के सर्वांगीण विकास पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

यदुवंशी शिक्षा निकेतन में शिक्षक व अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन की समीक्षा करना व उनके सर्वांगीण विकास के लिए नए लक्ष्यों को निर्धारित करना था।

बैठक में भारी संख्या में अभिभावकों ने हिस्सा लेकर बच्चों के उज्जवल भविष्य को लेकर अपने बहुमूल्य सुझाव साझा किए। विद्यालय के प्राचार्य नरेश कुमार ने अभिभावकों का स्वागत करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के परीक्षा परिणामों और खेलकूद जैसी सह शैक्षणिक गतिविधियों में प्रदर्शन की सीधी जानकारी देने के लिए यह बैठक बुलाई गई है। प्राचार्य ने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे घर पर भी बच्चों की पढ़ाई और उनकी दिनचर्या पर विशेष ध्यान दें, ताकि वे भविष्य की परीक्षाओं में और बेहतर प्रदर्शन कर सकें। डायरेक्टर सुरेश यादव ने कहा कि आज के इस प्रतिस्पर्धी युग में बच्चों को सही मार्गदर्शन देना हम सभी की संयुक्त जिम्मेदारी है। उन्होंने स्कूल में दी जा रही आधुनिक सुविधाओं और डिजिटल लर्निंग के बारे में बताते हुए कहा कि संस्थान का हमेशा यही प्रयास रहता है कि हर बच्चे की व्यक्तिगत क्षमता को पहचानकर उसे निखारा जाए। चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने कहा कि शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि बच्चों का मानसिक, शारीरिक और नैतिक विकास भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने कहा कि एक मजबूत राष्ट्र के निर्माण के लिए विद्यालय और अभिभावकों का मिलकर काम करना बेहद आवश्यक है और यदुवंशी ग्रुप हमेशा से गुणात्मक व संस्कारयुक्त शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध रहा है।

नारनौल। बैठक में भाग लेने आए अभिभावक व बच्चे। *फोटो : हरिभूमि*

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर महेंद्रगढ़ में जन-जागरूकता कार्यक्रम में उमड़े लोग

'हर सांस अनमोल है, तम्बाकू से दूरी रखें' का हरिभूमि ने दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक हरिभूमि की ओर से बस स्टैंड पर आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि तम्बाकू केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही प्रभावित नहीं करता बल्कि परिवार और समाज के लिए भी गंभीर खतरा बन चुका है। लोगों को इसके खिलाफ जागरूक करने के लिए इस प्रकार के अभियानों की अत्यंत आवश्यकता है।

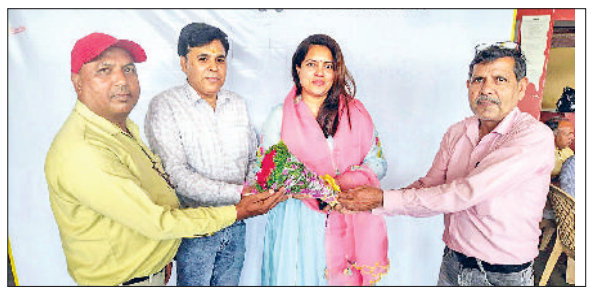

लक्ष्मी नारायण संस्थान की संचालिका डॉ. अनु यादव ने बताया कि विश्व तम्बाकू निषेध दिवस केवल एक दिवस नहीं, बल्कि समाज को स्वस्थ जीवन की ओर प्रेरित करने का अभियान है। उन्होंने कहा कि युवाओं को विशेष रूप से तम्बाकू और नशे से दूर रहने की आवश्यकता है ताकि आने वाली पीढ़ी स्वस्थ और सुरक्षित रह सके।

सावित्री देवी आई हॉस्पिटल के संचालक एवं यादव सभा के कन्वीनर डॉ. राजवीर यादव ने कहा कि तम्बाकू का सेवन आंखों की रोशनी पर भी बुरा प्रभाव डालता है। उन्होंने बताया कि धूम्रपान करने वाले लोगों में आंखों से संबंधित कई गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए लोगों को समय रहते इस आदत को छोड़ देना चाहिए।

इन्होंने लिया हस्ताक्षर अभियान में भाग

इस हस्ताक्षर अभियान में उक्त गणमान्य लोगों के साथ–साथ श्री प्रयास बाला जी मनोज मेघनवास, गुप्तचर विभाग से सतीश बालरोड़िया, सीटी एसओ पुरुषोत्तम, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग से इंस्पेक्टर प्रवीण मान, शहीद भगत सिंह युवा संघ के संचालक विकास सिंह, अनिल यादव भगडाना, राजेश झाड़ली, जेजेपी युवा नेता अभिषेक कुरहावटा, अंकित असोदिया, प्रेस क्लब के संरक्षक मोहनलाल अग्रवाल, वरिष्ठ पत्रकार आनंद शर्मा, हरियाणा पत्रकार संघ के जिला प्रधान प्रदीप बालरोड़िया, जनस्वास्थ्य विभाग के प्रधान सुरेंद्र फौजी, वरिष्ठ पत्रकार परमजीत, दुलीचंद खोला, अमरसिंह सोनी, राजेश ठेकेदार, बॉबी, मनीष पंसारी, वेदप्रकाश, श्याम सुंदर, वरिष्ठ पत्रकार दिनेश उर्फ बल्ली नौताना, जनस्वास्थ्य विभाग से सुनील महायच, धौलू पाली, कुलदीप शर्मा, जितेंद्र शर्मा, प्रदीप कुमार, राजऋषि सवाई सिंह सिगड़ी, संजय कुमार, प्रवीण सोनी, सुमन, लक्ष्य, साहिल, प्रियंका, कर्मबीर दहिया, चिराग, नितेश, रोहित कुमार, आयुष कुमार सिंह, मनोज, हरिकिशन, विकास, दीपक, पलक, हर्षित, नरेश नीमड़ीवाली, ललित पायगा, दयापाल, प्रदीप, विकास, भूपेश, दर्शन, डा. विशाल भिवानी, मुंशीराम, चंद्रकेश पाल, अनिल, आदेश, अमन, जितेंद्र लखेरा, राजकुमार, चरणसिंह, मोनू कुमार, एमडी तालीम, सनाया, विराट, निशांत यादव, पुरुषोत्तम एएफएसओ, दुलीचंद खोला, संतोष कुमार, नीरज यादव, प्रीति, मनजीत, रवीना, मोहित, महेंद्र सिंह, कुंदनलाल, नरेश कुमार, सूरज सिंह, कर्मबीर डागर, सत्यनारायण कौशिक पोता, अजीत सिंह तोमर शास्त्रीजी, मोनू, अभिषेक, रतन खुडाना, आशीष, ललित, मुकेश चौहान, मनोज कुमार, मातादीन, विशाल, चेतन, प्रदीप बालरोड़िया, सुनील कुमार, डा. भंवर सिंह कसाणा, प्रमोद कुमार, सुभाष फौजी बुचौली, विनोद कुमार, पंकज, पवन कुमार, अमरसिंह सोनी, रविंद्र, अनिल राणा, अनिल कुमार, अजीत सिंह चौहान, पंजाब रोडवेज से हरप्रीत सिंह, राजकुमार, गर्वित, कृष्ण कंडेक्टर, अमित, मोहितसिंह, रामपाल, बलवान फौजी, सोनू यादव, डा. राजवीर यादव, कंडेक्टर राजकुमार, पवन, प्रवीण यादव एवं विजय आदि शामिल रहे।

इन संस्थाओं ने लिया भाग

इस जनहित अभियान को आरपीएस सीनियर सेकेंडरी स्कूल महेंद्रगढ़, विजय इंटरनेशनल स्कूल बलाना, दी वेदांता इंटरनेशनल स्कूल, टैगोर कॉलेज कोटपूतली, सावित्री देवी आई हॉस्पिटल महेंद्रगढ़, ज्ञानकोष ए ग्लोबल स्कूल आकोदा, हिंदुस्तान पब्लिक स्कूल अटेली, यादव ऑर्थो मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल महेंद्रगढ़ तथा आस्था इमेजिंग सेंटर महेंद्रगढ़ का सहयोग प्राप्त हुआ। सभी सहयोगी संस्थाओं ने नागरिकों से कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेने और तम्बाकू मुक्त समाज के निर्माण में अपनी भागीदारी निभाने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने कहा कि तम्बाकू के खिलाफ यह जागरूकता अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा, ताकि समाज को नशामुक्त और स्वस्थ बनाया जा सके।

नवजीवन हॉस्पिटल के संचालक डॉ. सोनू यादव ने कहा कि तम्बाकू का सेवन शरीर के लगभग प्रत्येक अंग को प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि धूमपान और गुटखा जैसी आदतें बच्चों और युवाओं में तेजी से बढ़ रही हैं, जिसे रोकने के लिए सामाजिक स्तर पर जागरूकता जरूरी है। उन्होंने लोगों से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया।

पंडित राहुल भारद्वाज ने कहा कि भारतीय संस्कृति सदैव संयम और स्वस्थ जीवन का संदेश देती रही है। डॉ. राजकुमार यादव ने कहा कि लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति गंभीर होना चाहिए और तम्बाकू सेवन करने वालों को प्रेरित कर इस आदत से बाहर निकालना चाहिए।

डिफेंस एकेडमी के अध्यक्ष प्रमोद कुमार ने कहा कि युवाओं को राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहना जरूरी है। युवा प्रदेश जननायक जनता पार्टी के सचिव अभिषेक कोरौटा ने कहा कि युवा वर्ग यदि नशे से दूर रहेगा तो समाज और राष्ट्र दोनों मजबूत होंगे।

पलक।

सुनील कुमार।

आस्था इमेजिंग सेंटर के संचालक डॉ. महेश यादव ने कहा कि तम्बाकू सेवन से कैंसर, फेफड़ों की बीमारी, हृदय रोग तथा कई अन्य गंभीर बीमारियां जन्म लेती हैं। उन्होंने लोगों को समय रहते जागरूक होने और नशे की आदतों से दूरी बनाने की सलाह दी।

व्यापार मंडल के प्रधान सुरेंद्र बंटी ने कहा कि व्यापारिक संस्थानों को भी तम्बाकू विरोधी अभियान में भागीदारी निभानी चाहिए। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर शिक्षा और रोजगार पर ध्यान देने की अपील की।

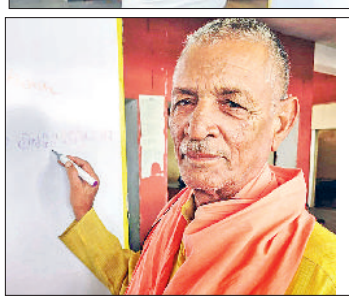

शिक्षाविद प्रताप शास्त्री ने कहा कि विद्यालयों और शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों को तम्बाकू के नुकसान के बारे में नियमित रूप से जानकारी दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

मनोज गौतम ने कहा कि तम्बाकू के सेवन से फेफड़ों को नुकसान, हृदय रोग, कैंसर, दांत एवं मसूड़ों की गंभीर बीमारियां होती हैं। इसके साथ ही इसका नकारात्मक प्रभाव परिवार और समाज पर भी पड़ता है। उन्होंने कहा कि समाज के हर वर्ग को तम्बाकू के खिलाफ जागरूक होना आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान "आज का संकल्प, कल का सुरक्षित भविष्य" एवं "हर सांस अनमोल है" जैसे नारों के माध्यम से लोगों को प्रेरित किया गया।

लक्की सीगड़ा और नीरज बेरी ने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि आधुनिक जीवनशैली में स्वास्थ्य का विशेष महत्व है और तम्बाकू इसका सबसे बड़ा दुश्मन है। सदर थाना प्रभारी रमेश कुमार ने कहा कि समाज में अपराध और नशे का गहरा संबंध है, इसलिए युवाओं को नशे से दूर रखना जरूरी है।

इनका किया गया स्वागत

हरियाणा कला परिषद के पूर्व निदेशक अनिल कौशिक ने कहा कि समाज में जागरूकता फैलाने के लिए सांस्कृतिक और सामाजिक मंचों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि यदि युवा वर्ग नशे से दूर रहेगा तो देश का भविष्य सुरक्षित रहेगा।

अंकित आसोदिया।

हरिकिशन, बस स्टैंड इंचार्ज।

आदेश।

प्रदीप कुमार।

जितेंद्र।

राजऋषि सवाई सिंह।

संजय कुमार।

युवा हितेष शर्मा।

बिजेंद्र कुमार।

उमेश तंवर।

सुभाष सैनी।

प्रियांशु यादव।

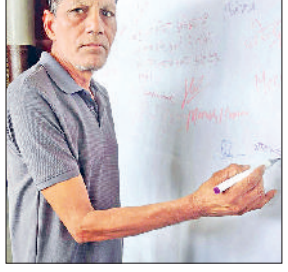

वेदप्रकाश।

काजल, छात्रा।

कृष्ण।

प्रदीप कुमार।

रानी।

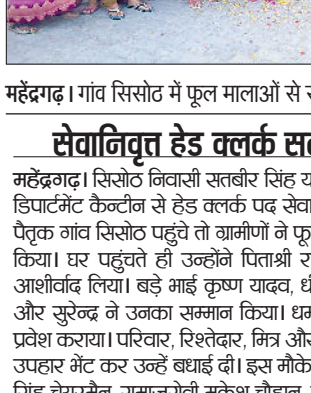

किरण।

खुशी।

प्रीति।

रीना।

महेंद्रगढ़। गांव सिसोठ में फूल मालाओं से स्वागत करते हुए। फोटो: हरिभूमि

सेवानिवृत्त हेड क्लर्क सतबीर सिंह का स्वागत

महेंद्रगढ़। सिसोठ निवासी सतबीर सिंह यादव गत 30 मई को दिल्ली के सिविल डिपार्टमेंट कैन्टीन से हेड क्लर्क पद सेवानिवृत्त हुए। रविवार को जब वे अपने पैतृक गांव सिसोठ पहुंचे तो ग्रामीणों ने फूल-मालाओं से उनका जोरदार स्वागत किया। घर पहुंचते ही उन्होंने पिताश्री रामस्वरूप यादव के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया। बड़े भाई कृष्ण यादव, धीरपाल फौजी, छोटे भाई मुकेश यादव और सुरेन्द्र ने उनका सम्मान किया। धर्मपत्नी ने भी पुष्पमाला पहनाकर गृह प्रवेश कराया। परिवार, रिश्तेदार, मित्र और गांव के गणमान्य लोग घर पहुंचकर उपहार भेंट कर उन्हें बधाई दी। इस मौके पर सरपंच वीरेन्द्र उर्फ विक्की, सूरत सिंह चेयरमैन, समाजसेवी मुकेश चौहान, सूबेदार सतबीर सिंह, विजय फोरमैन, मा. युद्धवीर, जगबीर फौजी, राजबीर, रणधीर, सत्यवान पंच, मुकेश पंच, श्रीपाल, सूबे राम शर्मा सहित कई गणमान्य मौजूद रहे।

मोहनपुर में लगाई मीठे पानी की छबील

कनीना। मोहनपुर गांव में ग्रामीणों की ओर से राहगीरों को गर्मी से राहत पहुंचाने के उद्देश्य से मुख्य मार्ग पर मीठे और ठंडे पानी की छबील लगाई गई। इस दौरान वहां से गुजरने वाले हर राहगीर, वाहन चालकों को ठंडा व मीठा पानी पिलाया। इस कार्य में अमरजीत कोच, मोहित, हितेश रोहिल्ला, मोहित जोशी, निकेतन शर्मा, राहुल शर्मा, वीरेंद्र चौहान सहित ग्रामीणों ने योगदान दिया। सभी युवाओं व बुजुर्गों ने मिलकर सेवा का जिम्मा संभाला। ग्रामीणों का कहना था कि इस भीषण गर्मी में राहगीरों की प्यास बुझाना सबसे बड़ा पुण्य का काम है।

योग क्रियाओं से विमुख होने से बढ़ रहा बीमारियों का प्रकोप : डॉ. अनिल

हरिभूमि न्यूज ⏭नांगल चौधरी

शहीद मेजर सतीश दहिया राजकीय कॉलेज में प्राचार्य डॉ. अनिल यादव की अध्यक्षता में योग प्रशिक्षण शिविर लगाया गया। जिसमें एनसीसी कैडेटों को योग प्रशिक्षण दिया तथा गांवों में कैंप लगाकर ग्रामीणों को जागरूक करने का आह्वान किया। इस दौरान योगासानों की उपयोगिता से अवगत कराया।

नांगल चौधरी। विद्यार्थियों को योगासन कराते डॉ. बिक्रम सिंह।

उन्होंने कहा कि शारीरिक इंटरनल अभ्यास करने के लिए योगासन प्राचीन पद्धति है, लेकिन जागरूकता के आभाव में लोग योग क्रियाओं से विमुख हो गए, जिस कारण मोटापा, शूगर, कैंसर, अस्थमा, हार्ट व अन्य गंभीर बीमारियों का प्रकोप बढ़ गया है। भारत सरकार के प्रयासों ने विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 21 जून को विश्व योग दिवस निर्धारित किया है। सरकार के निर्देशानुसार कॉलेज में योग प्रशिक्षण शिविर लगाया गया।

टोल प्लाजा पर ट्रक चालक की पिटाई का आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭नांगल चौधरी

राष्ट्रीय राजमार्ग 148 बी पर स्थित सिरोही बहाली टोल प्लाजा पर हमले व मारपीट की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। शनिवार की देर रात एक ट्रक चालक ने टोल कर्मचारी पर मारपीट करने के आरोप लगाए हैं। तनाव बढ़ने पर पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को शांत कराते हुए स्थिति को नियंत्रण में लिया। पुलिस की हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ, लेकिन घटना को लेकर क्षेत्र में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया।

जानकारी के मुताबिक कोटपूतली की तरफ से एक ट्रक टोल पर पहुंचा था। इस दौरान बूथ पर लंबी कतार थी तथा टोल कर्मचारी बातों में व्यस्त थे। उन्होंने कर्मचारियों को सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का हवाला देते हुए तीन मिनट से अधिक देर वाहनों को खड़े नहीं रखने की सलाह दी। जिस पर टोल कर्मचारी आग बबूला हो गए तथा ट्रक चालक के साथ मारपीट शुरू कर दी। जिससे आक्रोशित अन्य वाहनों के चालकों ने विरोध प्रदर्शन करना आंरभ कर दिया।

नांगल चौधरी। मारपीट के आरोपों पर विरोध प्रदर्शन करते चालक। फोटो: हरिभूमि

तनाव उत्पन्न होने की शिकायत मिलने पर नांगल चौधरी पुलिस मौके पर पहुंची। चालकों की शिकायत सुनने के बाद टोल कर्मियों को तलब किया तथा वारदात के संदर्भ में जबाब तलब किया। गलती साबित होने पर टोल कर्मियों ने चालक से माफी मांगी। इसके बाद ट्रक चालकों ने विरोध प्रदर्शन को वापस लिया है। इस संदर्भ में एडीशनल एसएचओ हरीश कुमार ने बताया कि फास्टटैग से भुगतान को लेकर टोल कर्मी व चालक में विवाद हुआ था। दोनों पक्षों ने आपस में बैठकर विवाद को खत्म कर लिया तथा व्यवस्था को सुचारू कर दिया है।

चोरों ने एक ही रात में दो मंदिरों को बनाया निशाना

राधा-कृष्ण मंदिर से दानपात्र उठा ले गए

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

गांव कोरियावास में चोरों ने एक ही रात में दो मंदिरों को निशाना बनाया। चोर राधा-कृष्ण मंदिर से दानपात्र चोरी कर ले गए, जबकि शनि मंदिर से घंटी व अन्य सामान चुरा लिया। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। राधा-कृष्ण मंदिर कमेटी के सदस्य जयभगवान निवासी कोरियावास ने सदर थाना में दी शिकायत में बताया कि बीते उसे सूचना मिली कि दोपहर में किसी अज्ञात व्यक्ति ने मंदिर का दानपात्र चोरी कर लिया है। सूचना मिलने पर वह मंदिर पहुंचे और जांच की।

उन्होंने बताया कि मंदिर का दानपात्र साल में केवल एक बार जन्माष्टमी के अवसर पर खोला जाता है, जिसमें आमतौर पर 25 से 30 हजार रुपये तक की दान राशि निकलती है। आशंका है कि चोरी किए गए दानपात्र में भी करीब 20 से 25 हजार रुपये की नकदी थी। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 305(4) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नारनौल। गांव कोरियावास का मंदिर, जहां हुई चोरी। फोटो: हरिभूमि

शनि मंदिर से भी चोरी

ग्रामीणों के अनुसार चोरों ने गांव के शनि मंदिर को भी निशाना बनाया। यहां से मंदिर की घंटी और अन्य सामान चोरी कर लिया गया। एक साथ दो मंदिरों में चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में रोष है और लोगों ने पुलिस से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005